समय : २ ½ घंटे **पूर्णांक : ७५**

सूचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है |

२. सभी प्रश्नों के लिए अंक समान है |

३. उत्तर पत्रिका में प्रश्न क्रमांक व उप क्रमांक अवश्य लिखें |

प्रश्न १. भारतीय काव्यशास्त्र में अलंकार सिद्धांत की स्थापनाओं को विस्तार से स्पष्ट कीजिए | **(१५)**

अथवा

'विभावानुभावव्यभिचारी संयोगाद्रसनिष्पति |' भरत मुनि के इस रस सूत्र की व्याख्या कीजिए |

प्रश्न २. आधुनिक आलोचना के विकास में आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी के योगदान की चर्चा विस्तार से कीजिए | **(१५)**

अथवा

छायावाद की प्रतिष्ठा में आ. नंददुलारे वाजपेयी की किस तरह की भूमिका रही हैं, मूल्यांकन कीजिए |

प्रश्न ३. अभिजात्यवाद सिद्धांत की चर्चा करते हुए उसकी विशेषताओं को लिखिए | **(१५)**

अथवा

कार्लमार्क्स की अवधारणा के साथ उसके सिद्धांतों पर विस्तृत प्रकाश डालिए |

प्रश्न ४. त्रासदी के संदर्भ में अरस्तु के विचारों का विवेचन कीजिए | **(१५)**

अथवा

लोंजाइनस की उदात्त संबंधी मान्यताओं का समीक्षात्मक अध्ययन कीजिए |

प्रश्न ५. **निम्नलिखित में से किन्ही तीन विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए |** **(१५)**

(क) काव्यगुण |

(ख) रस चिंतन |

(ग) स्वच्छदतावाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ |

(घ) प्लेटो का काव्य सिद्धांत |

4B728A3583E94F63366BAEDD9CD75C3D